M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दैनिक धनुषधारी
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-32, अंक 264, उल्हासनगर, शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 (पृष्ठ 6) | Mob. No. 9325937797 | E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com | Post Regd No.THC/111/2024-2026 *RNI No. 68359/93,*

dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

प्रधानमंत्री मोदी ने अंबरनाथ आईटीआई में विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का किया वर्चुअल उद्घाटन

अंबरनाथ (नि.स.)। 'वीर हुतात्मा हिराजी गोमाजी पाटिल शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अंबरनाथ' में कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग द्वारा कार्यान्वित विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल (ऑनलाइन) उद्घाटन किया गया। ये अल्पकालिक पाठ्यक्रम राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा की अवधारणा पर शुरू किए गए हैं।

ये पाठ्यक्रम स्थानीय युवाओं को कौशल हासिल करने और रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद करेंगे। इन अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए संस्थान में तैयार अल्पकालिक पाठ्यक्रम कक्षा का विशेष रूप से पीएम विश्वकर्मा (मालकार) योजना के लाभार्थी ऋषिकेश पनकर द्वारा अनावरण किया गया। इस अवसर पर आईएमसी अध्यक्ष रावसाहेब भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महेश जाधव, उप-प्रधानाचार्य भामरे सहित समस्त स्टाफ, समूह निदेशक और प्रशिक्षु उपस्थित थे। ये अल्पकालिक पाठ्यक्रम अंबरनाथ और इसके आसपास के युवाओं के लिए कौशल-आधारित शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत करेंगे।

विधायक आयलानी के हाथों विकास कार्यों का भूमिपूजन

उल्हासनगर (नि.सं.)। गुरुवार को विधायक कुमार आयलानी के द्वारा बालकन जी बाड़ी परिसर में विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। गौतमबुद्ध नगर, खेमानी परिसर के लोगों की सीसी नाली व शौचालय की आवश्यकता को देखते हुए यह विकास कार्य हो रहे हैं, जिनका विधायक कुमार आयलानी ने स्थानीय लोगों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक प्रशांत पाटिल, ज्योति पाटिल, संजय सिंह व स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। परिसर में विकास कार्यों की शुरुवात पर नागरिकों ने खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर विधायक द्वारा जहां ये विकास कार्य किये जाने हैं उन इलाकों का दौरा किया और नागरिकों से बातचीत भी की गई।

अक्षय शिंदे एनकाउंटर मामला
न्यायिक आयोग ने पुलिस को दी क्लीन चिट

मुंबई (नि.स.)। बदलापुर में एक नामचीन स्कूल में दो नाबालिग बच्चियों के साथ हुए यौन शोषण के मामले में ठाणे पुलिस ने आरोपी अक्षय शिंदे का एनकाउंटर कर दिया था। इसके बाद राज्य भर में इसकी जबरदस्त प्रतिक्रियाएँ आईं। इस बीच, अब न्यायाधीश दिलीप भोसले के न्यायिक आयोग ने पुलिस को क्लीन चिट दे दी है। न्यायाधीश दिलीप भोसले के न्यायिक आयोग ने पुलिस के इस दावे को स्वीकार कर लिया है कि अक्षय शिंदे को आत्मरक्षा में गोली मारी गई थी।

अक्षय शिंदे पर स्कूली बच्चों पर यौन शोषण का आरोप था। इस मामले के सामने आने के बाद, हज़ारों लोग बदलापुर रेलवे स्टेशन पर जमा हो गए और ट्रेन रोक दी। नागरिकों ने आरोपी को फांसी देने की मांग की। लेकिन अब, न्यायाधीश दिलीप भोसले के न्यायिक आयोग ने भी पुलिस को क्लीन चिट दे दी है, जिससे इस मामले के आरोपी पुलिस कर्मियों को एक बार फिर राहत मिली है। चूँकि अक्षय शिंदे के परिवार ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी, इसलिए पुलिस को मानवाधिकार आयोग से पहले ही क्लीन चिट मिल गई थी। इसी तरह, आरोपी शिंदे का एनकाउंटर करने वाले पुलिसवालों को अब न्यायाधीश दिलीप भोसले के न्यायिक आयोग ने बरी कर दिया है।

अंबरनाथ में मनसे को बड़ा झटका
अजय पाटिल समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

अंबरनाथ (नि.स.)। स्थानीय निकाय चुनावों से ठीक पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को अंबरनाथ में एक और बड़ा झटका लगा है। कुछ दिन पहले कुछ पूर्व नगरसेवकों के शिवसेना (शिंदे) में शामिल होने के बाद, अब मनसे के शहर उपाध्यक्ष अजय पाटिल अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं।

डोंबिवली स्थित भाजपा जनसंपर्क कार्यालय में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में प्रवेश समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान अजय पाटिल के साथ, सूरज पाटिल, तुषार रोकड़े, अभिषेक सिंह और अन्य मनसे कार्यकर्ताओं ने भाजपा का झंडा थाम लिया। इस पक्ष प्रवेश ने अंबरनाथ की राजनीति में एक नया समीकरण बना दिया है। भाजपा राज्य परिषद सदस्य गुलाबराव करंजुले पाटिल के मार्गदर्शन में हुए इस प्रवेश से पता चलता है कि अंबरनाथ में भाजपा की ताकत बढ़ी है। इस अवसर पर जिला महासचिव अभिजीत करंजुले पाटिल, शहर अध्यक्ष विश्वजीत करंजुले पाटिल और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। भाजपा में शामिल होने के बाद अजय पाटिल ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, 'हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और विकासोन्मुखी नीतियों से प्रेरित हैं। हम अंबरनाथ के सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं।'

शेयर बाजार में ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर बुजर्ग से ठग लिए लाखों रुपए

उल्हासनगर (नि.स.)। उल्हासनगर में एक बुजर्ग से सायबर ठगों द्वारा लाखों रूपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शेयर बाजार में ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर जालसाज़ों ने उन्हें अपने जाल में फँसाया। उन्हें मैसेज भेजकर साइबर जालसाज़ों ने शेयर बाजार में ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर उनसे 6 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर के कैंप दो, हुकूमत राय अपार्टमेंट में रहने वाले 60 वर्षीय विनोद दासवानी ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत उल्हासनगर पुलिस थाना में दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि 17 जुलाई 2025 से 19 सितंबर 2025 के दौरान तनिष्का शनयाम और एक अज्ञात शख्स ने सीमा जैन के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर उन्हें शेयर बाजार में निवेश करने की सलाह देने का झूठा आश्वासन देकर उन्हें वाट्सएप ग्रुप में शामिल कर शेयर बाजार में निवेश करने पर मोटा मुनाफा होने का लालच दिया गया। बाद में उक्त अज्ञात शख्स द्वारा भेजे गए एक फर्जी एप में उसके द्वारा कहने के मुताबिक उन्होंने अपना खाता तैयार किया और उसके कहने पर उन्होंने समय-समय पर कई बैंक खातों में कुल 6 लाख 3 हजार 969 रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। फ़िलहाल उल्हासनगर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जाँच पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण कांबले कर रहे हैं।

एसएसटी कॉलेज में विभागीय नुक्कड़ नाटक स्पर्धा का भव्य आयोजन
ट्रैफिक नियमों और नशामुक्ति पर छात्रों का जोरदार संदेश

उल्हासनगर (नि.स.)। एसएसटी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) यूनिट और ठाणे ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में विभागीय स्तर की नुक्कड नाटक प्रतियोगिता का आयोजन उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4 स्थित एसएसटी कॉलेज के बहुउद्देशीय सभागार में बड़े उत्साह और अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में ठाणे विभाग के विभिन्न महाविद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामाजिक जागरूकता, ट्रैफिक नियमों का पालन तथा नशामुक्ति जैसे जनहित के विषयों पर प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. तुषार वाकसे, प्रा. सुदर्शन पाटिल और डॉ. हर्षदा दरेकर शामिल थे।

मूल्यांकन के बाद एसएसटी कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान हिरानंदानी फार्मेसी कॉलेज को मिला, जबकि एस.एच.एम. कॉलेज तृतीय स्थान पर रहा। वेदांता कॉलेज को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पुलिस आयुक्त किरण बालवडकर, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ (उल्हासनगर ट्रैफिक विभाग) और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक श्री अनिल पडवळ (विठ्ठलवाडी ट्रैफिक विभाग) उपस्थित थे। एनएसएस ठाणे जिला समन्वयक प्रा. जीवन विचारे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी प्रा. मयूर माथुर, प्रा. नम्रता सिंह और प्रा. स्नेहा गुप्ता ने स्वयंसेवकों के सहयोग से सम्पूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम में एसएसटी कॉलेज के उपप्राचार्य डॉ. दीपक गवादे, डॉ. संतोष करमानी, एनएसएस विभागीय समन्वयक प्रा. निरज मिश्रा तथा कनिष्ठ महाविद्यालय के उपप्राचार्य देविदास जलकोटे उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी तथा ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ के मार्गदर्शन में यह विभागीय प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

एक और पटाखा व्यवसायी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

उल्हासनगर (नि.स.)। इस साल उल्हासनगर में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से पटाखा स्टॉक करने वाले पटाखा व्यवसायियों के खिलाफ पुलिस ने मुहिम छेड़ रखी है। हाल ही में इस बाबत एक पटाखा व्यवसायी उमेश वधरिया के खिलाफ उल्हासनगर पुलिस थाना में मामला दर्ज हुआ था और अब विट्ठलवाड़ी पुलिस थाना में एक पटाखा व्यवसायी के खिलाफ बिना अनुमति के बड़े पैमाने पर दुकान में पटाखा जमा करने को लेकर मामला दर्ज हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार विट्ठलवाड़ी पुलिस थाना में कार्यरत पुलिस हवलदार संतोष सांगले की शिकायत पर विट्ठलवाड़ी पुलिस थाना में पटाखा व्यवसायी निकेश छाबरिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि कैंप चार, सब्जी मार्केट के बगल में आरजीएस स्कूल के समीप एक दुकान में निकेश छाबरिया ने बिना अनुमति के एवं बिना सुरक्षा व्यवस्था के 2 लाख 9 हजार 450 रूपये मूल्य का पटाखा जमा कर रखा है जिससे जान-माल को नुकसान होने का खतरा है। मामले की जाँच पुलिस उप निरीक्षक बी.आर.दराडे कर रहे हैं।

संपादकीय

सड़क पर कसैला हो रहा कश्मीर का सेब

बीते कुछ वर्षों से जलवायु परिवर्तन की मार से बेहाल, धरती के स्वर्ग कहलाने वाले कश्मीर पर संकट मंडरा रहा है कि कहीं यहां का किसान सेबफल की बागवानी से तौबा न कर ले. पहले देर तक गर्मी पड़ी, फिर कम बर्फबारी और वह भी अल्प दिनों के लिए, इस सब विपदाओं से जूझते हुए जब शरद ऋतु के पतझड़ में उम्मीद के सेबफल आए तो रास्तों में लगे लम्बे जाम ने पूरे साल की मेहनत को सड़क पर फेंकने को मजबूर कर दिया. हालांकि इस साल कश्मीर का सेब दिल्ली तक रेल से लाने का प्रयोग हुआ है, पर इस सेवा का लाभ बहुत कम लोगों तक पहुंच पा रहा है.

भादों माह विदा हुआ तो पुलवामा, सोपोर, शोपियां जैसे जिलों में बर्फ गिरने से पहले पेड़ों पर लाल-गुलाबी और सुनहरे सेबफल झूमने लगे. इस समय सारा परिवार एकजुट होकर पहले सेब तोड़ता है, फिर उसे छंटता है और लकड़ी की पेटियों में सुरक्षित पैक करता है. फिर इन्हें ट्रकों में चढ़ा दिया जाता है. इस साल अगस्त के आखिरी हफ्ते में जम आकर बरसात हुई और कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली एकमात्र 270 किलोमीटर आल वेदर रोड पर नासिरी, उधमपुर सहित दर्जनों जगह इतना भूस्खलन हुआ कि कोई तीन हफ्ते रास्ता बंद रहा.

इस बीच कोई दस हजार ट्रक सड़कों पर फंसे रहे. जिन गाड़ियों से बदबू आने लगती, सेब को आसपास की घाटी में लुढ़का कर निराश लोग वापस आने की सोचते. उधर पुराना मुगल रोड इसके लायक नहीं रहता कि बरसात में उससे भारी वाहन ले जाए जा सकें.

सोपोर को सेबफल की सबसे बड़ी मंडी कहा जाता है. कभी यहां इस समय कंधे छीलने वाली भीड़ और लोगों का शोर होता था, लेकिन इस समय सन्नाटा है. जो लोग हैं भी तो उनके चेहरे पर खुशी नहीं है. बम्पर फसल लेकर आए किसानों को चिंता है कि दाम सही मिलेगा या नहीं, कारण कि रास्ते बंद हैं और ऐसे में सड़क पर माल फेंकने से बेहतर है बड़े डीलर को औने-पौने दाम पर बेच दिया जाए.

कश्मीर में कोई 35 लाख लोग सेबफल के उत्पादन से जुड़े हैं जिसका सालाना व्यापार 11 हजार करोड़ रु. का है. बदलते मौसम का मिजाज किस तरह आम लोगों के जीवन को प्रभावित करता है, इसकी कड़वी सच्चाई कश्मीर के बागानों में दिख जाती है. कुछ लोग सुझाव देते हैं कि राज्य में कोल्ड स्टोरेज क्षमता बढ़ाई जाए. इस समय शोपियां, अनंतनाग, श्रीनगर और पुलवामा में कोई 85 कोल्ड स्टोरेज हैं जिनकी क्षमता चार लाख मीट्रिक टन है. अब यहां 20 किलो की एक पेटी को चार महीने के लिए रखने का किराया 180 रुपए होता है. अधिकांश कोल्ड स्टोरेज को बड़े डीलर पूरा बुक कर लेते हैं और आम किसान को अवसर मिलता नहीं. जान लें कि सितंबर में यदि माल रखा तो उसे दिसंबर में उठाना होगा और उस समय भारी बर्फबारी के कारण फिर से सड़क-रास्ते बंद होते रहते हैं और फलों की खपत भी कम हो जाती है.

बागान से बाजार के बीच निराशा में घुट रहे सेबफल के किसानों को राहत तभी मिल सकती हैं जब सेब का रस, सिरका और ऐसे ही उत्पादों के लघु उद्योग ग्रामीण स्तर पर शुरू किए जाएं. इसके साथ ही कश्मीरी सेब के विदेशों में निर्यात की संभावना, श्रीनगर से सीधे उन्हें बाहर भेजने के लिए हवाई कार्गो आदि पर काम किया जाए. साथ ही आधुनिक जेनेटिक तकनीक से अधिक समय तक न सड़ने वाली नस्लों के शोध और प्रचार पर भी काम करने की जरूरत है.

संपादक,टीकम लालवानी

अभी भी गर्मी बढ़ाने में लगे हैं दुनिया के 17 बड़े देश

इस समय दुनिया में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि वर्ष 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का उपयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत और चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन चालीस देशों ने कोयले का इस्तेमाल बंद कर देने का भरोसा दिया था। वहीं, बीस देशों ने विश्वास दिलाया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्र बंद कर दिए जाएंगे, मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं।

प्रमोद भार्गव

जलवायु परिवर्तन पर कुछ समय पहले आई एक रपट में चेतावनी दी गई है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं, जो चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि अनेक देशों की सरकारें वर्ष 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 फीसद अधिक है। पेरिस समझौते के अब दस साल पूरे होने जा रहे हैं। इसके मुताबिक, दुनिया भर के देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित 'सीओपी 28' में विभिन्न देशों ने ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर रुख करने के आह्वान पर पूरी तरह सहमति व्यक्त की थी।

स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स की 'उत्पादन अंतराल रपट 2025' के अनुसार, जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने के बजाय कई देशों की सरकारें अब सामूहिक रूप से वर्ष 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं।

ऐसे में जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन के उत्पादन में और भी कमी लाने के लिए कदम उठाने होंगे। यह काम निश्चित रूप से चुनौती भरा होगा। इस रपट में अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब, भारत और आस्ट्रेलिया सहित बीस प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों को शामिल कर एक विश्लेषण किया गया है। इसमें पता चला है कि सत्रह देश अभी भी 2030 तक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। यानी कोयला, तेल या गैस का उत्पादन पहले की

तुलना में कहीं अधिक होगा।

रपट में बताया गया है कि वर्ष 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 फीसद अधिक होगा। इसी तरह तेल इकतीस और गैस का उत्पादन बानबे फीसद से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन देशों ने वर्ष 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

धरती पर रहने वाले संपूर्ण जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन से वर्तमान और भविष्य में पैदा होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य के जीवन और जलवायु परिवर्तन के बीच दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों के मुताबिक, औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तापमान बढ़ रहा है। यह पृथ्वी के लिए घातक है। स्वाभाविक रूप से इससे न केवल मानव सभ्यता पर असर पड़ेगा, बल्कि धरती पर हर जीव-जंतु प्रभावित होंगे।

ऐसा ही रहा तो इस सदी के अंत तक पृथ्वी पर गर्मी 2.7 फीसद बढ़ जाएगी, जिस कारण कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन (सीओपी) आयोजित किया जाता है। इसकी पिछली बैठक दुबई में हुई थी। पेरिस समझौते के तहत भागीदार देशों ने जो वचनबद्धता जताई थी, उसके अंतर्गत वास्तव में अभी तक छप्पन देशों ने ही संयुक्त राष्ट्र मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन, जापान और भारत भी शामिल हैं। मगर रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के कारण कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए जो कार्य किया जाना चाहिए था और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयले से ऊर्जा उत्पादन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें अब फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। गौरतलब है कि ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। दरअसल, 1500 ईसवीं में बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन की शुरुआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल लंबे समय तक होता रहा। दुनिया भर में रेलगाड़ियां कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जला कर किए जाते रहे हैं। धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया, तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप 16 फरवरी, 2005 को जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इसमें शामिल देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानिकों ने एकमत होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस संधि पर 192 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं।

इस समय दुनिया में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि वर्ष 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का उपयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत और चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन चालीस देशों ने कोयले का इस्तेमाल बंद कर देने का भरोसा दिया था। वहीं, बीस देशों ने विश्वास दिलाया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्र बंद कर दिए जाएंगे, मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदले हालात में अगर हमें जिंदा रहना है, तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी। अगर तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है, तो कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लानी होगी। आइपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। अगर कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तो असमय सूखा, बाढ़ और जंगलों में आग की घटनाओं का निरंतर सामना करना पड़ सकता है। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर ही होगा, ऐसा नहीं है। इससे समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों के कई शहरों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

अध्यात्म

पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते

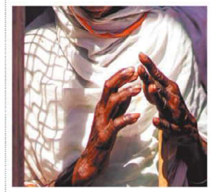

श्री कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम इतना अधिक बढ़ गया था कि वह उनका वियोग एक क्षण भी नहीं सह सकती थी। श्री कृष्ण के वियोग में मूर्छित होने लगी। श्री कृष्ण ने अपने बाल मित्रों से कह दिया था कि किसी गोपी को मूर्छा आए तो मुझे बुलाना। मैं मूर्छा उतारने का मंत्र जानता हूं। किसी गोपी को मूर्छा आती तो शीघ्र ही कृष्ण को बुलाया जाता। श्री कृष्ण जानते थे कि इस गोपी के प्राण अब मुझ में ही अटके हैं। इसे कोई वासना नहीं है। यह जीव अत्यंत शुद्ध हो गया है एवं मुझसे मिलने के लिए आतुर है। अतः श्री कृष्ण उसके सिर पर हाथ फेरते और कान में कहते, शरद पूर्णिमा की रात्रि को तुझसे मिलूंगा। तब तक धीरज रख और मेरा ध्यान कर। यह सुनकर गोपी की मूर्छा दूर हो जाती। वृंदावन में एक वृद्धा महिला, जो कि एक गोपी की सास थी, उसे लगा कि इसमें कुछ गड़बड़ अवश्य है। इन छोकरियों को मूर्छा आती है तो कन्हैया इनके कान में कुछ मंत्र पढता है। मैं भी यह मंत्र जानना चाहती हूं। वृद्धा ने मूर्छित होने का ढोंग करके मंत्र जानने का निश्चय किया। काम करते-करते वह एकदम गिर गई। उसकी बहू को बहुत दुख हुआ। वह कन्हैया को बुलाने दौड़ी। श्री कृष्ण ने कहा - सफेद बाल वाले पर मेरा मंत्र नहीं चलता है। बाल सफेद होने पर भी दिल सफेद न हो, प्रभु के नाम की माला न जपे, तो ऐसा जीव मरे या जिए, इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं नहीं जाऊंगा। तू किसी दूसरे को बुला ले। किंतु गोपी ने बहुत आग्रह किया। गोपी का शुद्ध प्रेम था, अतः उसके आग्रह को मानकर श्री कृष्ण घर आए और वृद्धा को देखकर बोले, इसको मूर्छा नहीं आई है। इसे तो भूत लगा है। किंतु घबराओ मत नवनीत। भूत उतारने का मंत्र भी मुझे आता है। एक लकड़ी ले आओ। वृद्धा घबराई कि अब तो मार पड़ेगी। यह ढोंग तो मुझे ही भारी पड़ जाएगा। कृष्ण ने लकड़ी के दो चार हाथ मारे कि वृद्धा बोल उठी, मुझे मत मारो, मत मारो, मुझे न मूर्छा आई है, न भूत लगा है। मैंने तो ढोंग किया था। पाखंड भूत है। अभिमान भी भूत है। पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

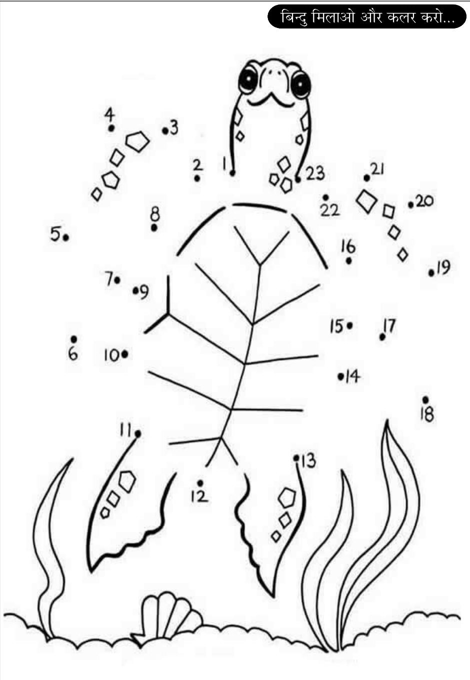

वर्ग पहेली 5696

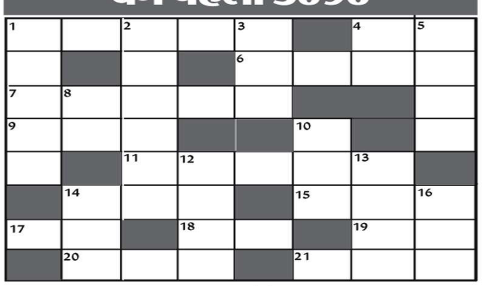

संकेत: बाएं से दाएं

1. अफगानिस्तान की सीमा से लगा एकमात्र भारतीय राज्य (5)
4. दीर्घश्वास, ठंडी सांस, निश्वास (2)
6. अस्तबल, घुडसाल (4)
7. पुस्तकालय को यह भी कहते है (5)
9. सौ की संख्या, क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (3)
11. भारत की पहली महिला जिसने विश्वसुंदरी खिताब जीता (1966) (5)
14. गांधार के राजा जो गांधारी और शकुनि के पिता थे (3)
15. तुल्यता, बराबरी, तुलाना (3)
17. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति (2)
18. फलित ज्योतिष की राशियों में से एक (2)
19. कानन, जंगल, अरण्य (2)
20. पुस्तक-पाठन आधार, बुक स्टेंड (3)
21. इंद्रमणि, जलसुत (2)

ऊपर से नीचे

1. आर.के.बैनर की फिल्म बरसात (1949) से अपना कॅरियर शुरू करने वाला संगीतकार जोड़ी में एक (5)
2. अंदाजन, करीबन, अनुमानत, तकरीबन (6)
3. जीवन युक्त होना, निवास करना, समाप्त ना होना (3)
4. उम्मीद (4)
5. समुद्रमंथन से निकला प्रचंड विष जिसे भगवान शंकर ने अपने कंठ में रख लिया (4)
8. पिता, आदरणीय व्यक्ति, गरम, तप्त (2)
10. उत्तराधिकारी, दायाधिकारी, स्वत्वाधिकारी (3)
12. सामंजस्य, तालों का मिलान, संगति (4)
13. रात, विभावरी, रजनी, निशा (4)
14. मद, मादकता, नशा, उन्नमादकता, नशीलापन, मदिरता (3)
16. स्वर भंगिमा, संगीत में स्वर का विस्तार (2)

वर्ग पहेली 5695 का हल

आ	नं	दी	बे	न	प	टे	ल
नं	द	न		सी	ल		
द		ता	ला	ब		स	फ
म	ला		मा		दौ	र	
ठ	ग	ना		क	ल	प	ना
	त	म	स		त	र	ना
खु		ज	ल	ज		स्त	
श	ह	द		न	फा		

रास्ता खोजो...

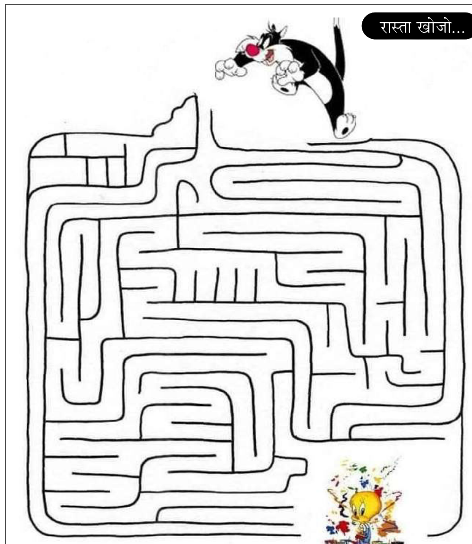

Reliance AUTHORISED DEALER
Konark Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

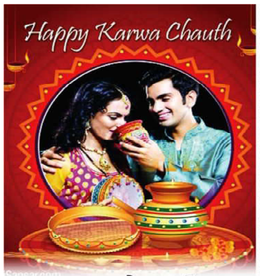

करवा चौथ के दिन इस मुहूर्त में करें सरगी

सुहागिन महिलाओं और अविवाहित लड़कियों के लिए करवा चौथ के पर्व का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत के पुण्य प्रताप से विवाहित महिलाओं को अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है और पति की लंबी आयु होती है। इस दिन सरगी की परंपरा को निभाया जाता है। सरगी सास अपनी बहु को देती है। हिंदू पंचांग अनुसार, करवा चौथ का पर्व कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर मनाया जाता है। इस त्योहार का सुहागिन महिलाओं और अविवाहित लड़कियों को बेसब्री से इंतजार रहता है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। रात को चंद्र दर्शन करने के बाद व्रत का पारण किया जाता है। इस व्रत की शुरुआत सुबह सरगी से होती है। व्रत में सरगी का विशेष महत्व है।

सरगी की परंपरा

करवा चौथ व्रत का आरंभ सूर्योदय से पहले सरगी खाने से होता है। इसे सास अपनी बहू के लिए तैयार करती हैं। इसमें फल, मेवे, मिठाई और पराठे शामिल होते हैं, जिससे पूरे दिन निर्जला व्रत रखने की शक्ति मिलती है। सरगी के बाद पूरे दिन निर्जला उपवास रखा जाता है और रात को चंद्रोदय के बाद महिलाएं करवे (मिट्टी के पात्र) से जल अर्पित कर व्रत खोलती हैं।

सरगी में क्या शामिल करें?

करवा चौथ की सरगी में फलों को शामिल करना चाहिए। जैसे- सेब, केला, अंगूर, पपीता आदि। इसके अलावा सूखे मेवे, हलवा, मिठाई, दूध और दही समेत आदि चीजों को शामिल किया जा सकता है।

सरगी का महत्व

करवा चौथ के दिन सरगी की थाली में शामिल चीजों का सेवन ब्रह्म मुहूर्त में करना चाहिए। मान्यता है कि इस समय देवी-देवता पृथ्वी लोक पर विचरण करते हैं, जिसकी वजह से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस दौरान जो चीज हम खाते हैं, तो वह हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह करती हैं।

तिथि और समय

पंचांग के अनुसार, करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस साल चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 9 अक्टूबर रात 10.54 बजे होगा और इसका समाप्त 10 अक्टूबर शाम 07.38 बजे होगा। उदया तिथि के अनुसार यह व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर को रखा जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त
शाम 05.57 से 07.11 तक (अवधि - 1 घंटा 14 मिनट)

इस साल व्रत का समय
सुबह 06.19 से रात 08.13 तक (अवधि 13 घंटे 54 मिनट)

चंद्रोदय का समय- रात 08.13 बजे

मधुर प्यार और अखंड सुहाग का मंगल पर्व- करवा चौथ

पति की दीर्घायु और मंगल-कामना हेतु सुहागिन नारियों का यह महान पर्व है। करवा (जल पात्र) द्वारा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण (उपवास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण उपवास के बाद का पहला भोजन) करने का विधान होने से इसका नाम करवा चौथ है।

करवा चौथ और करक चतुर्थी पर्याय है। चन्द्रोदय तक निर्जल उपवास रखकर पुण्य संचय करना इस पर्व की विधि है। चन्द्र दर्शनोपरांत सास या परिवार में ज्येष्ठ श्रद्धेय नारी को बायना देकर 'सदा सौभाग्यवती भव' का आशीर्वाद लेना व्रत की पहचान है। सुहागिन नारी का पर्व होने के नाते यथासंभव और यथाशक्ति न्यूनाधिक सोलह श्रृंगार से अलंकृत होकर सुहागिन अपने अंत:करण के उल्लास को प्रकट करती है। पति चाहे जैसा हो पर पत्नी इस पर्व को मनाएगी अवश्य। पत्नी का पति के प्रति यह समर्पण दूसरे किसी धर्म या संस्कृति में कहां?

पुण्य प्राप्ति के लिए किसी पुण्यतिथि में उपवास करने या किसी उपवास के कर्मानुष्ठान द्वारा पुण्य-संचय करने के संकल्प को व्रत कहते हैं। व्रत और उपवास द्वारा शरीर को तपाना तप है। व्रत धारण कर, उपवास रखकर पति की मंगल कामना सुहागिन का तप है। तप द्वारा सिद्धि प्राप्त करना पुण्य का मार्ग है इसीलिए सुहागिन करवा चौथ का व्रत धारण कर उपवास रखती है।

ब्रह्म मुहूर्त से चन्द्रोदय तक जल-भोजन कुछ भी ग्रहण न करना करवा चौथ का मूल विधान है। वस्तुत: भारतीय पर्वों में विविधता का इन्द्रधनुषीय सौंदर्य है। इस पर्व के मनाने, व्रत रखने, उपवास करने में मायके से खाद्य पदार्थ भेजने, न भेजने आदि की रूढ़िवादी परंपराएं अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता के साथ प्रचलित हैं।

बायना देने-लेने, करवे का आदान-प्रदान करने, बुजुर्ग महिला से आशीर्वाद लेने-देने की सारी मान्यताएं अलग-अलग क्षेत्रों, जातियों/वर्णों में भले ही भिन्न हों, परंतु सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है- पति का मंगल। पश्चिमी सभ्यता में निष्ठा रखने वाली सुहागिनों के लिए यह पर्व एक मार्गदर्शिका है। एक निर्देशिका है।

वस्तुत: हिन्दू संस्कृति आदर्शों व श्रेष्ठताओं से परिपूर्ण एक ऐसी संस्कृति है? जिसमें पारलौकिकता व आध्यात्मिकता की महत्ता है। चूंकि हिन्दू संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध 7 जन्मों का होता है इसीलिए व्रत-उपवास, पूजन-अर्चन इस जन्म-जन्मांतर के संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं। करवा चौथ व्रत पालन के महत्व के बारे में कुछ इस प्रकार से अभिव्यक्ति दी गई है-

व्रतेन दीक्षामाप्नोति
दीक्षायाप्नोति दक्षिणाम।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति
श्रद्धया सत्यमाप्यते।

अर्थात व्रत से दीक्षा प्राप्त होती है। दीक्षा से दक्षिणा प्राप्त होती है। दक्षिणा से श्रद्धा प्राप्त होती है। श्रद्धा से सत्य की प्राप्ति होती है।।

वस्तुत: पति अपनी पत्नी की श्रद्धा व आस्था देखकर कुछ इस तरह से अभिभूत हो जाता है कि वह पत्नी व बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व निर्वाह के लिए कहीं अधिक संकल्पवान व निष्ठावान हो जाता है। हर सुहागिन अन्न-जल का परित्याग कर चांद की छवि दर्पण में देखकर और फिर अपने पति का मुखड़ा देखकर ईश्वर से यही मनौती मांगती है कि दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे। कभी चांद तो कभी सूरज बनकर निकलता रहे। हर भारतीय नारी अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं, आदर्शों व परंपराओं पर गर्व करती है। करवा चौथ पर हर सुहागिन का हृदय अपने पति के लिए लंबी उम्र की दुआ मांगने लगता है।

किन महिलाओं को नहीं रखना चाहिए करवा चौथ का व्रत?

करवा चौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। महिलाएं इस दिन शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही अपना व्रत खोलती हैं। हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का त्योहार मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 10 अक्तूबर को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। इस व्रत को करते समय कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। हालांकि यह व्रत सभी महिलाओं को करना चाहिए, लेकिन कुछ स्थितियों में स्त्रियों को यह व्रत नहीं करना चाहिए। ऐसे में आइए जानते हैं किन महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं करना चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

करवा चौथ के पर्व हर सुहागिन महिला के लिए बहुत महत्व रखता है, लेकिन गर्भावस्था के दौरान शरीर को अधिक पोषण की जरूरत होती है। वहीं करवा चौथ के व्रत में पूरे दिन कुछ भी खाना या पीना वर्जित होता है। ऐसे में गर्भवती महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं करने की सलाह दी जाती है। गर्भावस्था में भूखे रहना बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए ऐसे में महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए।

कुंवारी लड़कियां

करवा चौथ सुहाग का पर्व है। शास्त्रों के अनुसार, इस व्रत को केवल सुहागिनों को ही रखना चाहिए। यह व्रत पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। इसलिए कुंवारी लड़कियों को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए।

मासिक धर्म के दौरान

मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को कोई भी पूजा-पाठ नहीं करनी चाहिए। इस दौरान महिलाओं को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। हालांकि इस दौरान महिलाएं करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं, लेकिन पूजा नहीं करनी चाहिए।

कमजोर या अस्वस्थ महिलाएं

अगर कोई महिला किसी तरह की बीमारी से ग्रस्त है या कमजोर है। ऐसी स्थिति में भी महिलाओं को करवा चौथ का व्रत नहीं रखना चाहिए। ऐसे में महिलाओं को अपनी सेहत का खास ध्यान रखना चाहिए।

करवा चौथ की पूजा के बाद करवा का क्या करें?

दिवाली से ठीक 12 दिन पहले करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है. हिंदू धर्म में करवाचौथ व्रत का बड़ा महत्व है. इस वर्ष करवा चौथ 10 अक्टूबर दिन शुक्रवार को पड़ रहा है. मान्यताओं के अनुसार, इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना से दिनभर निर्जला व्रत करती हैं. करवा चौथ को लेकर लोगों में कई सवाल भी होते हैं. ऐसा ही एक सवाल है कि, करवा चौथ की पूजा के बाद करवा का क्या करें?

कई लोग करवा चौथ की पूजा के बाद करवा को इधर-उधर फेंक देते हैं, लेकिन ऐसा करने से माता गौरी नाराज होती है और आपको उनके प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में करवा को भूलकर भी इधर-उधर न फेंके.

नदी में प्रवाहित करें - धार्मिक मान्यता के मुताबिक करवा चौथ की पूजा के बाद मिट्टी के करवा को पवित्र नदी या साफ तालाब में प्रवाहित करना चाहिए. करवा को प्रवाहित करते समय या फिर पेड़ के नीचे रखते समय ध्यान रखें की यह कहीं से भी टूटे या खंडित न हो.

पवित्र पेड़ के नीचे रखें - अगर आप करवा को प्रवाहित नहीं कर सकते हैं, तो आप इसे पूजा के बाद किसी पवित्र पेड़ जैसे की पीपल, नीम, आम और बरगद के नीचे रख सकते हैं. ऐसा करना भी शुभ होता है.

अगली साल के लिए रखें - कई लोग करवा चौथ की पूजा के बाद करवा को पूरे 1 साल तक संभालकर रखते हैं. अगर आप भी ऐसा ही करते हैं, तो ध्यान रखें कि इसे घर में किसी ऐसी जगह पर ही रखें जो साफ हो.

करवा चौथ व्रत के दौरान न करें ये काम

- करवा चौथ व्रत वाले दिन सुहागिनें अपने श्रृंगार में सफेद और काले रंग की वस्तु का प्रयोग न करें। सुहागिन महिलाएं यदि करवा चौथ पर इन रंगों का उपयोग करती हैं तो उनके जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।
- करवा चौथ पर पूजा के बाद जब भी कोई श्रृंगार की वस्तु बच जाती हैं, तो उसे इधर उधर न फेंकें, बल्कि उसे किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करें।
- इस दिन धारदार चीजों के इस्तेमाल से बचें। साथ ही किसी से कोई भी मनमुटाव न रखें और अपशब्द न कहें।
- व्रत पारण करने के बाद तामसिक भोजन ग्रहण न करें।

महिलाएं करें ये काम

हालांकि करवा चौथ की पूजा के समय भद्रा नहीं है फिर भी यदि महिलाओं को भद्रा का भय सता रहा है वो नीचे दिए गए मंत्र का जाप कर सकती हैं।

धन्या दधमुखी भद्रा महामारी खरानना।
कालारात्रिर्महारुद्रा विष्टिश्च कुल पुत्रिका।
भैरवी च महाकाली असुराणां क्षयन्करी।
द्वादश्चैव तु नामानि प्रातरुत्थाय य: पठेत।
न च व्याधिर्भवैत तस्य रोगी रोगात्प्रमुच्यते।
गृह्य: सर्वेनुकूला- स्यर्नु च विघ्नादि जायते।

इस मंत्र के जाप से भद्रा का भय कम होता है और वैवाहिक जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं।

पहली बार रखना है करवा चौथ व्रत? नोट कर लें पूजा सामग्री, पूजन मंत्र, कोई न रहे कमी

करवा चौथ का व्रत कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है. यह व्रत अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है. इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी आयु और सुख दांपत्य जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती है.

जिन युवतियों का विवाह तय हो गया है, वे भी करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं. इस व्रत में करवा माता, विघ्नहर्ता श्री गणेश, भगवान शिव और चंद्रमा की पूजा करने का महत्व है. यह व्रत चतुर्थी के सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक रखा जाता है. चांद के निकलने का बाद पारण करके व्रत को पूरा करते हैं.

जिन युवतियों को पहली बार करवा चौथ का व्रत रखना है, उनको पूजा सामग्री और मंत्र के बारे में जानना चाहिए.

करवा चौथ पूजा सामग्री

- करवा माता और गणेश जी की तस्वीर या मूर्ति
- करवा माता के लिए चुनरी, नए कपड़े, गणेश जी और शंकर जी के लिए नए वस्त्र
- मिट्टी का करवा, एक ढक्कन, एक थाली
- चांद देखने के लिए एक छलनी, लकड़ी की एक चौकी
- सोलह श्रृंगार की समाग्री, एक कलश, दीपक, रूई की बाती
- कपूर, अगरबत्ती, गेहूं, लहुआ, 8 पूड़ियों की अठावरी
- अक्षत, हल्दी, चंदन, फूल, पान का पत्ता, कच्चा दूध, दही
- शक्कर का बूरा, शहद, गाय का घी, रोली, कुमकुम
- मौली या रक्षासूत्र, मिठाई, एक लोटा या गिलास, दक्षिणा
- करवा चौथ व्रत कथा और आरती की एक पुस्तक

करवा चौथ पूजा मंत्र

करवा चौथ में माता पार्वती, विघ्नहर्ता गणेश और शिव जी की पूजा का विधान है, इसलिए उनके ही मंत्रों का उपयोग पूजन में होता है.

- मां पार्वती की पूजा का मंत्र - देहि सौभाग्य आरोग्यं देहि मे परम् सुखम। सन्तान देहि धनं देहि सर्वकामांश्च देहि मे।।
- गणेश पूजा मंत्र - वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥
- शिव पूजा मंत्र - ओम नम- शिवाय
- करवा चौथ चंद्रमा को अर्घ्य देने का मंत्र
- करवा चौथ को चंद्रोदय होने पर चंद्रमा की पूजा करते हैं. चंद्रमा को कच्चा दूध, गंगाजल, अक्षत, फूल आदि से अर्घ्य देते हैं. इसके लिए आपको अर्घ्य देने के मंत्र का उच्चारण करते हैं.

गगनार्णवमाणिक्य चन्द्र दाक्षायणीपते।
गृहाणार्घ्यं मया दत्तं गणेशप्रतिरूपक॥

काशीराम का समर्पण हमेशा याद रहेगा : मायावती

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ में बसपा की महारैली में मायावती ने काशीराम को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कांशीराम की पुण्यतिथि है। मायावती ने कहा कि कांशीराम का समर्पण हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा कि भीड़ के मामले में अपना पिछला खुद का सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए यहां लाखों लाखों की संख्या में इस स्थल पर मान्यवर श्री कांशीराम जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए पहुंचे जिसके लिए पार्टी आपकी बहुत-बहुत आभारी है। मायावती ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार (योगी सरकार) की भी बहुत-बहुत आभारी है और इसीलिए आभारी है क्योंकि इस स्थल को देखने वाले लोगों के टिकटों का इकट्ठा हुआ पैसा सपा सरकार की तरह वर्तमान भाजपा की राज्य सरकार ने इसे दबाकर नहीं रखा है बल्कि करने पर इसे मरम्मत इसकी मरम्मत करने पर पूरा खर्च किया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मैं आप लोगों को यह बताना चाहती हूं जब यूपी में हमारी सरकार थी और यह मान्यवर श्री कांशीराम जी के आदर सम्मान में यह जो विशाल स्मारक स्थल जब बनाया गया था तो हमने इस समय हमारी सरकार ने यह व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की जब यूपी में सरकार थी और यह स्थल बन चुके थे तो उन्होंने उनके रख रखा पर कोई पैसा खर्च नहीं किया। सत्ता से बाहर हो जाते हैं तो समाजवादी पार्टी को फिर याद आता है कि हमें संगोष्ठी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टियां हवा हवाई बातें करके इन वर्गों को गुमराह करने में लगी है। आरक्षण दिए जाने के मामले में आदिवासियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों के साथ हमेशा पक्षपात किया। एक प्रकार से यहां खत्म कर दिया था। कानून व्यवस्था भी काफी बुरी तरह से देखने के लिए मिल रही है। कांग्रेस पार्टी के रहे शासन काल को लेकर भी मायावती ने हमला किया। इसके अलावा मायावती ने बरेली, कानपुर जैसे शहरों में आई लव मुहम्मद पर बढ़े बवाल को लेकर भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि शरारती तत्व अकसर एक-दूसरे के देवी-देवताओं और पैगंबर का अपमान करते हैं और बवाल कराते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि विवाद बढ़े। सभी को एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करना चाहिए, लेकिन इसकी आड़ में आई लव आदि की राजनीति नहीं करनी चाहिए। सभी धर्मों के नियम और परंपराओं का सम्मान

करना चाहिए। इस दौरान मायावती ने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। वहीं योगी सरकार को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि वह उनकी सरकार में बने स्मारकों के विकास से पीछे नहीं हट रही है। उन्होंने आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद पर भी बिना नाम लिए ही हमला बोला। इसके अलावा उनकी पार्टी के गठन में सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों की भूमिका बताई। मायावती ने कहा कि यूपी में जब बसपा अकेले ही सत्ता में आई थी तो इन्हें डर था कि यदि बीएसपी को आगे बढ़ने से नहीं रोका गया तो फिर यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आ जाएगी। इसी से घबरा कर ये लोग एक हो गए। इसके अलावा ऐसे कई संगठन भी बनवा दिए हैं, जो चुनाव में अपने फायदे के हिसाब से उम्मीदवार खड़े करा लें। इनके एकाध उम्मीदवार भी जिताकर भेजे जा रहे हैं ताकि दलितों के वोट काटने में मदद मिलती रहे।

राहुल गांधी पर इशारों में तंज-हाथ में संविधान लेकर नाटक करते हैं : यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडों और माफियाओं को बढ़ावा दिया गया था। अब अधिकांश मामलों में ऐसी ही स्थिति भाजपा की सरकार में भी देखने को मिल रही है। आजादी के बाद सालों तक रही कांग्रेस की सरकारों में तो दलितों का शोषण और उत्पीड़न होता रहा है। यूपी में कांग्रेस का शासन भी जातिवादी, पूंजीवादी रवैये से चलता रहा है। कांग्रेस ने 1975 में बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को ही किनारे लगाने की कोशिश की थी और आज इनके नेता उसी संविधान को हाथ में लेकर नाटक करते हैं। कांग्रेस ने आंबेडकर को संसद पहुंचने से रोका, भारत रत्न नहीं दिया कांग्रेस ने ही परम पूज्य बाबासाहेब आंबेडकर को संसद में नहीं जाने दिया गया था और उन्हें भारत रत्न नहीं दिया गया। मान्यवर कांशीराम का जब निधन हुआ तो कांग्रेस की सरकार ने तब राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। इसके अलावा राज्य में सपा सरकार ने राजकीय शोक घोषित नहीं किया था। मंडल कमिशन लागू करने में भी कांग्रेस उदासीन थी और बसपा के तमाम प्रयासों के बाद वीपी सिंह के दौर में हुआ था। अब भाजपा की सरकार में भी ऐसा ही रवैया है। शिलान्यास और उद्घाटन तो काफी हो रहे हैं, लेकिन जमीनी तौर पर काम नहीं हो रहा है। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील करते हुए कहा कि आपको सर्वजन हिताय और सुखाय की नीति पर चलते हुए बसपा को बढ़ाना होगा।

बसपा को कमजोर करने की साजिश, बिकाऊ को खरीद रहे : मायावती ने कहा कि 2007 में यूपी में पूर्ण बहुमत की बसपा की सरकार आने के बाद जातिवादी पार्टियों कांग्रेस, भाजपा व सपा ने षडयंत्र किया और बसपा को केंद्र की सत्ता तक नहीं पहुंचने दिया। रही सही कसर ईवीएम की मदद ली जबकि बैलेट पेपर से चुनाव हो सकते हैं। इन दलों ने अब दलित वोटों को बांटने के लिए बिकाऊ लोगों को खरीदकर बसपा को कमजोर करने की साजिश कर रही हैं।

असम और गुजरात को 707 करोड़, वायनाड के पीड़ितों को बहुत कम - केरल हाईकोर्ट

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि वायनाड में 2024 में आए भूस्खलन के पीड़ितों के प्रति केंद्र ने लगभग विफलता दिखाई है। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करते हुए इन पीड़ितों के ऋण माफ करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हताशाजनक है। न्यायमूर्ति ए. के. जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति जोबिन सेबेस्टियन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए बैंकों को निर्देश दिया कि वे वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के खिलाफ किसी भी ऋण वसूली कार्रवाई को अगली सुनवाई तक रोक दें। यह जनहित याचिका अदालत ने स्वयं संज्ञान लेकर दायर की थी, ताकि राज्य में आपदा प्रबंधन और रोकथाम की स्थिति में सुधार किया जा सके। अदालत ने कहा कि वह शायलॉकियन तरीकों (निर्दयी वसूली के तौर-तरीकों) से बैंकों द्वारा की जा रही कार्रवाई को स्वीकार नहीं कर सकती। पीठ ने कहा कि केंद्र का यह तर्क अस्वीकार्य है कि वह ऋण माफी के मामले में शक्तिहीन है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 73

के तहत केंद्र के पास व्यापक अधिकार मौजूद हैं। अदालत ने कहा कि जब केंद्र स्वयं इन भूस्खलनों को गंभीर आपदा की श्रेणी में रखता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पीड़ितों का जीवन और गरिमा सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, यह तब और भी अधिक स्पष्ट हो जाता है जब हमें आज एक समाचार रिपोर्ट से पता चलता है कि केंद्र सरकार ने 2024 के दौरान बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित होने वाले असम और गुजरात राज्यों को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के रूप में 707 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है। कोर्ट ने कहा, वायनाड पीड़ितों के लिए ऋण माफी के रूप में मांगी गई मौद्रिक राहत इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा है। अदालत ने कहा कि भारत के संघीय ढांचे के सिद्धांत किसी भी राज्य के नागरिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार की अनुमति नहीं देते।

नए उपराष्ट्रपति की पहली ही बैठक में हंगामा सत्ता पक्ष से भिड़ गए विपक्ष के सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की अध्यक्षता में मंगलवार को बुलाई गई राज्यसभा फ्लोर लीडर्स की बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बैठक में विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर यह आरोप लगाया कि वह संसद में विपक्ष की आवाज दबा रही है और सवालों से बच रही है। बैठक में राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा भी मौजूद थे। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद जॉन ब्रिटास ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह विपक्ष के सवालों से लगातार बचती है और पारदर्शिता से काम करने से इनकार करती है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के

मुताबिक, उन्होंने कहा, सरकार ऐसे सवालों की अनुमति तक नहीं देती, जिनकी जानकारी आम जनता सूचना का अधिकार के जरिए भी हासिल कर सकती है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। ब्रिटास ने उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने नए संसद भवन की लागत से जुड़ा एक सवाल पूछा था, जिसे अनुमति नहीं दी गई। इसी तरह, पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर पूछे गए सवाल को गोपनीय बताकर अस्वीकृत कर दिया गया, जबकि ऐसी जानकारी तेल कंपनियों के संगठन खुद सार्वजनिक रूप से जारी करते हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि संसद में सरकार द्वारा सूचना साझा करने में हिचकिचाहट बढ़ रही है। कई बार ऐसे मुद्दों पर भी सवाल रोके जा रहे हैं जो सीधे जनता के हित से जुड़े हैं। एक विपक्षी नेता ने कहा, जब संसद ही जवाब मांगने का सर्वोच्च मंच है और अगर वहां भी सवाल नहीं पूछे जा सकते तो फिर जवाबदेही कहां होगी? सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान भाजपा नेताओं ने विपक्ष के आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी।

हरियाणा के डीजीपी गिरफ्तार हों; आईपीएस पूरन कुमार की पत्नी ने दी शिकायत

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की खुदकुशी के मामले ने जोर पकड़ लिया है। अफसर की आत्महत्या के दौरान जापान दौरे पर गई उनकी पत्नी अमनीत पी. कुमार वापस लौट आई हैं और उन्होंने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस को शिकायत दी है। हरियाणा काडर की आईएएस अमनीत कुमार ने अपनी शिकायत में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया है कि वे पति का उत्पीड़न कर रहे थे। इसी के चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली थी। अमनीत ने मांग की है कि हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया जाए।

आईपीएस वाई पूरन कुमार दलित समाज से आते थे। उन्होंने हाल ही में रोहतक की सुनारिया जेल की जिम्मेदारी मिली थी और आईजी की पोस्ट पर तैनात थे। उन्होंने खुद को चंडीगढ़ के सेक्टर 11 स्थित आवास पर गोली मार ली थी। अमनीत ने दावा किया है कि उनके पति ने सुसाइड नोट में मांग की है कि डीजीपी और रोहतक के एसपी के खिलाफ केस दर्ज हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाए। अमनीत ने

अपनी शिकायत में लिखा है, मेरे पति जो बेहद ईमानदारी और जज्बे के साथ काम करते थे। वह घर में गोली लगने से मृत पाए गए। आधिकारिक रूप से इसे आत्महत्या कहा जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह उनका लगातार उत्पीड़न होने का परिणाम है।

अमनीत पी. कुमार ने आरोप लगाया कि उनके पति का सालों से उत्पीड़न हो रहा है। उन्हें सीनियर अधिकारी व्यक्तिगत तौर पर परेशान करते थे और इन लोगों में डीजीपी शत्रुजीत कपूर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मेरे पति बताते थे कि जाति के आधार पर मेरे खिलाफ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया था कि मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है और किसी मामले में मुझे फंसाया जा सकता है। ऐसा डीजीपी के इशारे पर हो रहा है। यही नहीं अमनीत ने रोहतक के अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि 6 अक्तूबर को जो एफआईआर दर्ज की गई, वह गलत है। इसमें मेरे पति के स्टाफ में शामिल सुशील कुमार का इस्तेमाल किया गया।

अमनीत कुमार ने कहा कि मेरे पति को इस मामले में फंसाया गया और इसी के चलते उन्होंने अपनी जान दी। उन्होंने कहा कि मेरे पति ने इस मामले को लेकर डीजीपी शत्रुजीत कपूर से बात की थी, लेकिन उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पति वाई पूरन कुमार ने इसके बाद रोहतक के एसपी से भी बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि अब तो इस मामले में डीजीपी और रोहतक के एसपी की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

शुभमन गिल को पहले से पता था! टीम इंड़िया के नए ओडीआई कप्तान का बड़ा खुलासा

जाने वाली है रोहित शर्मा की कैप्टेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल अब भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे फॉर्मेट के कप्तान हैं. 4 अक्टूबर को गिल को वनडे टीम की कमान देने की घोषणा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने की थी. वहीं रोहित से वनडे क्रिकेट की कप्तानी छीने जाने को लेकर कई सवाल भी उठे थे. सवाल यह है कि आखिर उनकी शागिर्दी में खेले टीम इंड़िया के किसी खिलाड़ी का रिएक्शन क्यों नहीं आया. सबसे बड़ा सवाल इस बात का भी था कि आखिर नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने इस पूरे मसले पर चुपचाप क्यों रहे?

इन तमाम सवालों के बीच आखिरकार शुभमन गिल ने दिल्ली में आज (9 अक्टूबर) वेस्टइंडीज संग दूसरे टेस्ट मैच (10 अक्टूबर से होना) से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जहां उन्होंने इशारों-इशारों में यह कह दिया कि उनको रोहित शर्मा के वनडे कप्तान से हटने की जानकारी पहले से ही थी. वनडे कप्तानी मिलने पर गिल ने कहा- पहले टेस्ट (वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में) के बाद इसका ऐलान हुआ था, लेकिन मुझे इसके बारे

में थोड़ा पहले ही पता चल गया था. भारत की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है.

रोहित भाई से बॉन्डिंग की प्रेरणा लूंगा: शुभमन गिल अब टीम इंडिया के नए ODI कप्तान बन चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि वो अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के शांत स्वभाव और टीम में बनाए गए आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं. रोहित भाई की शांत प्रकृति और जिस तरह उन्होंने टीम में दोस्ती का माहौल बनाया, मैं उसे अपनाना चाहता हूं.

रोहित-कोहली खेलते रहेंगे वनडे, गिल ने किया साफ

नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने यह भी साफ किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है. दोनों खिलाड़ी अब केवल वनडे फॉर्मेट में उपलब्ध हैं. कोहली लंदन में हैं, जबकि रोहित शर्मा मुंबई में अपने घर पर हैं. दोनों 15 अक्टूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. गिल ने कहा, इन दोनों ने भारत के लिए अनगिनत मैच जिताए हैं. बहुत कम खिलाड़ियों में इतनी स्किल और एक्सपीरियंस होता है, हमें उनकी जरूरत है.

महिला विश्व कपः

पाकिस्तान की शर्मनाक हार 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौंवे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौंवे विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं। पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी। पाकिस्तान 36.3 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। सिद्रा अमीन 52 गेंद पर 35 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहीं। रमीन शमीम ने 15, फातिमा सना और नशरा संधु ने 11-11 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

सिर्फ 886 गेंदों में खत्म हो गया ये टेस्ट मैच, वैभव सूर्यवंशी की टीम ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में धूल चटाकर इतिहास रच दिया है. आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय युवा टीम ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम की. इस जीत को खास बनाता है दूसरा टेस्ट मैच, जो सिर्फ 886 गेंदों तक चला और खत्म हो गया, यानी दो दिन के अंदर ही टीम इंडिया ने मुकाबला जीत लिया. इस तरह भारत ने 30 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे कम गेंदों में यूथ टेस्ट मैच जीतने का नया कीर्तिमान स्थापित किया.

वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन: इस सीरीज में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने दो टेस्ट मैचों में कुल 133 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल रहा. वैभव की यह पारी टीम की नींव को मजबूत करने में अहम साबित हुई. उनके साथ-साथ कप्तान आयुष म्हात्रे की रणनीति और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया.

वनडे और टेस्ट, दोनों में ऑस्ट्रेलिया का सफाया: भारत ने सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, बल्कि वनडे सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया को क्लीन स्वीप किया. तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज में भी भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की थी. पहले मैच में भारत की 7 विकेट से जीत हुई. दूसरे मैच में 51 रन से धमाकेदार शानदार जीत दर्ज की और तीसरे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से धूल चटा दी. भारत का टेस्ट सीरीज में भी यही दबदबा जारी रहा. टीम ने पहला यूथ टेस्ट पारी और 58 रन से जीता, जबकि दूसरा टेस्ट 7 विकेट से अपने नाम किया.

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी पूरी तरह ढही: दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी बेहद कमजोर नजर आई. पहली पारी में उनकी टीम सिर्फ 135 रन ही बना सकी, जिसमें विकेटकीपर एलेक्स ली यंग ने 66 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली. दूसरी पारी में तो पूरी टीम 116 रन पर सिमट गई. भारत को जीत के लिए सिर्फ 81 रन चाहिए थे, जिसे उसने तीन विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया.

1995 का रिकॉर्ड टूटा

इस जीत के साथ भारत ने वेस्टइंडीज का 1995 में बनाया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब विंडीज ने पाकिस्तान को फैसलाबाद में 992 गेंदों के भीतर हराया था. अब भारत के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो गई है कि उसने सिर्फ 886 गेंदों में यूथ टेस्ट जीत लिया.

आर्कटिक ओपनः

आर्कटिक ओपन से लक्ष्य सेन बाहर, मन्नेपल्ली ने भारतीय उम्मीदों को जीवित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। वहीं, पेरिस ओलंपिक के

सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी थारुण मन्नेपल्ली ने आर्कटिक ओपन 2025 में देश की पुरुष एकल उम्मीदों को जीवंत रखा है। उन्होंने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के 14वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर उलटफेर किया जबकि लक्ष्य सेन इस साल 10वीं बार पहले दौर में बाहर हो गए। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मन्नेपल्ली ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए पोपोव को एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में 11-21, 21-11, 22-20 से हराया। उन्होंने निर्णायक गेम में चार मैच प्वाइंट बचाकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 प्रतियोगिता में शानदार जीत हासिल की। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वातानबे से होगा।

जापान के खिलाड़ी ने लक्ष्य सेन को दी मात

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइन में जगह बनाने वाले लक्ष्य को दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नाराओका ने 57 मिनट में 21-15, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य को शुरुआत से ही संघर्ष करना पड़ा।

ग्लेन मैक्सवेल ने करवाई सर्जरी, भारत के खिलाफ टी-20 में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने खुलासा किया है कि उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में खेलने का मौका पाने के लिए हाल ही में कलाई की सर्जरी करवाई। मैक्सवेल ने नेट प्रैक्टिस के दौरान हुई एक अजीब चोट की वजह से अपनी कलाई में फ्रैक्चर झेला था। इसके कारण वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी ञ्20ढ्ढ सीरीज और भारत के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर रहेंगे।

सर्जरी का मकसद

मैक्सवेल ने कहा, सर्जरी कराने का मतलब था कि मेरे पास भारत के खिलाफ सीरीज में खेलने की एक छोटी उम्मीद बनी रहे। अगर सर्जरी नहीं कराता, तो पूरे सीरीज से बाहर होना पड़ता। साथ ही यह मेरे लिए बिग बैश लीग में जल्दी फिट होने का मौका भी देता है।

चोट कैसे लगी

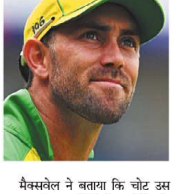

मैक्सवेल ने बताया कि चोट उस समय लगी जब वे मिचेल ओवेन के शॉट को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, शायद यह थोड़ी बदकिस्मती थी। चोट बस हड्डी पर लगी, मांस पर नहीं, इसलिए मैं शुक्रगुजार था कि ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पुनर्वास और भविष्य

मैक्सवेल ने 8 अक्टूबर को कास्ट हटाने के बाद थैरेपिस्ट से मुलाकात की और कलाई के लिए बेसिक मूवमेंट्स और स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज शुरू की। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी बीबीएलमें वे नेट में बड़ी स्ट्राइकर्स को अलग लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करेंगे ताकि चोट का जोखिम कम हो। पहले दो टी20 मैच 29 और 31 अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट समिति ने अभी बाकी तीन मैचों के लिए टीम का ऐलान नहीं किया है। चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने संकेत दिए हैं कि एशेज टीम के खिलाड़ी अंतिम तीन मैच छोड़ सकते हैं ताकि वे रेड-बॉल क्रिकेट पर फोकस कर सकें।

नए घर में शिफ्ट होना है तो वास्तु के इन नियमों को जरूर जान लें, बाद में नहीं पड़ेगा पछताना

वास्तुशास्त्र में नया घर बनवाने, खरीदने या उसमें शिफ्ट होने के कई महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं। जिनका हर व्यक्ति को ख्याल रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार घर लेने और उसमें शिफ्ट होने से जातक को वास्तु दोष का सामना नहीं करना पड़ता है और घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, घर के अंदर वास्तु के मुताबिक कुछ चीजें बिल्कुल भी सही न हों, तो इससे जातक को एक बाद एक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में नए घर में शिफ्ट होने से पहले इन नियमों का ध्यान जरूर रखें...अपना घर लेना हर किसी का सपना होता है, जो वे पूरा कर भी लेते हैं। ऐसे में अपने मकान को सपनों का घर बनाने के लिए हम कई प्रकार की वस्तुएं और सजावट उसमें करते हैं। वहीं, अगर आप वास्तुशास्त्र के नियमों का ख्याल रखकर नया घर खरीदते, बनवाते और उसमें शिफ्ट होते हैं तो इससे आपको जीवनभर के वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, घर में कभी समस्याएं भी नहीं आती हैं। वास्तुशास्त्र में नए घर को लेकर ऐसे कई महत्वपूर्ण नियमों का वर्णन किया गया है, जिनका ख्याल रखने से जातक के जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि नए घर में शिफ्ट होते समय वास्तु के किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

घर का मेन गेट हो इस दिशा में

मकान का निर्माण करवाते समय या बना हुआ घर लेते वक्त इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसका मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में हो। साथ ही, घर गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति की सीढ़ी या गेट न बना हो। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर पर्याप्त मात्रा में रोशनी भी जरूर आनी चाहिए। इस प्रकार घर का गेट होने से वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

बेडरूम से जुड़े वास्तु नियम

घर लेते समय मास्टर बेडरूम की दिशा का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, कमरा अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इसे सबसे उत्तम माना जाता है। इससे रूम में शांति का माहौल बना रहता है और घर में समृद्धि आती है। साथ ही, घर में शिफ्ट होते समय कभी भी शीशे के अपने बेड के ठीक सामने न लगाएं। ऐसा करने से वहां नकारात्मकता फैल सकती है।

इस दिशा में हो रसोईघर

कभी भी घर का निर्माण करते वक्त या नए मकान में शिफ्ट होने से पहले यह जरूर देख लें कि रसोईघर किस दिशा में है। गलत स्थान पर किचन होने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। वास्तु के अनुसार, किचन हमेशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लिविंग रूम में ऐसे रखें फर्नीचर और रंग

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में सही स्थान पर सामान रखना बेहद जरूरी होता है। मान्यता है कि हमेशा दक्षिण या पश्चिम दिशा में फर्नीचर को रखना चाहिए। साथ ही, लिविंग रूम और फर्नीचर के लिए हल्के व शांत रंगों का प्रयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। उत्तर-पूर्व भाग में हल्के सामान और उसे खुला रखना उत्तम माना जाता है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

इस दिशा में हो बाथरूम और टॉयलेट

घर में शिफ्ट या नया मकान लेने से पहले इस बात पर जरूर गौर करें की उसमें बाथरूम व टॉयलेट किस दिशा में बना हुआ है। वास्तुशास्त्र की मानें तो बाथरूम और टॉयलेट को हमेशा उत्तर-पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में बनवाना सही नहीं माना गया है। साथ ही, टॉयलेट-बाथरूम को हवादार होना चाहिए और उनके दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए।

सीढ़ियों के लिए सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सीढ़ियां हमेशा पूर्व से पश्चिम या उत्तर से दक्षिण के ओर उठी होनी चाहिए। लेकिन कभी भी इन्हें उत्तर पूर्व दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। कई लोग सीढ़ियों के नीचे पानी का नल, बाथरूम, टॉयलेट, जूते-चप्पलों का स्थान बना लेते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत गलत माना गया है। वास्तु के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे का स्थान खाली रखना उत्तम माना गया है।

घर के मंदिर में इन बातों का रखें ख्याल

मनुष्य के घर का सबसे पवित्र स्थान पूजाघर को माना गया है। ऐसे में मंदिर सही दिशा में होना सबसे महत्वपूर्ण होता है। वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर हमेशा उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। साथ ही, इसके अंदर हल्के और शांत रंग करवाने चाहिए। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की मंदिर को कभी भी बाथरूम या किचन के पास नहीं रखना चाहिए।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। सामाजिक विषयों में आपकी काफी सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको योग्यता अनुसार काम मिलेगा जो आपकी खुशी का कारण बनेगा। आप आज मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन माता जी आपसे इसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। आपकी लापरवाही आपके लिए समस्या बन सकती है। कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी संपत्ति को लेकर कोई मामला यदि आपके लिए समस्या बना हुआ था, तो वह भी दूर होगा। आप अपने घर के रिनोवेशन के बारे में भी सोच सकते हैं। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है और आप अपनी वाणी से सबका दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको मिलने का मौका मिलेगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए भाग्य की दृष्टि से अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम को लेकर बजट बनाकर चलें। आपकी सहनशीलता बढ़ेगी जो आपको खुशी देगी। पारिवारिक दृश्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी काम को लेकर थोड़ा धैर्य बनाए रखना होगा। आप अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर काफी खुश होंगे। आपको यदि काम को लेकर कोई मित्र सलाह दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें।

कर्क आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला आप है। जल्दबाजी में कोई काम ना करें और अपने आवश्यक कामों को गति देकर आगे बढ़ाते रहें। पारिवारिक रिश्तों में एकता बनी रहेगी। आप कुछ नया करने की सोचेंगे जिसमें आपके परिवार की सदस्यों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। राजनीति में आप थोड़ा सोच समझकर ही कदम बढ़ाए। वाहन की खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा और आपके कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमता बढ़ेगी। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपका कोई सहयोगी आपके कामों को टालने की कोशिश कर सकता है। आप अपने कामों को पूरे विस्तार से करेंगे। परिवार में यदि कोई कलह लंबे समय से चल रही है तो वह भी दूर होगी।

कन्या आज का दिन आपके लिए करियर में अच्छी सफलता लेकर आएगा। आपकी लोगों से सामंजस्यता बढ़ेगी और आप छुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। आप सभी के प्रति आत्म समर्पित नजर आएंगे। जीवनसाथी को आप कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। लेनदेन से संबंधित मामलों में आप लापरवाही बिल्कुल ना करें

तुला आज का दिन आपके लिए व्यवसाय में कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता है। आपकी व्यावसायिक योजनाएं फलीभूत होंगी। आप भी जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आप कहीं घूमने फिरने जाएं, तो आप किसी से बेवजह न उलझे। आपकी कोई पुरानी गलती के लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप कामों में उसके नीति व नियमों का उल्लंघन न करें। सामाजिक आयोजनों में भी आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आपने यदि किसी से कुछ कर्जा लिया था, तो उसे भी आप उतारने की कोशिश करेंग

धनु आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी भूमि, वाहन आदि की खरीदारी आप कर सकते हैं। आपकी साख व सम्मान में वृद्धि होगी। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। आपको पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। आप अपने भाई व बहनों से तालमेल बनाकर चले।

मकर आज का दिन आपके लिए मेहनत से अच्छा काम करने के लिए रहेगा। आप अपने मन में अहंकार बिल्कुल ना लाएं और अपने कामों को आगे लटकाने की कोशिश न करें। आपको अपने आलस्य को त्यागने की आवश्यकता है। आपकी दान धर्म के कामों में भी काफी रुचि रहेगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी लापरवाही के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कुंभ आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने खर्च पर भी थोड़ा ध्यान देकर करें। आपको अपने समय का सदुपयोग करने की आवश्यकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। संतान की आप कोई फरमाइश पूरी कर सकती है। आपके मन में किसी बात को लेकर संशय चल रहा है, तो आप उस काम में बिल्कुल आगे ना बढ़े।

मीन आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कामकाज में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको अपने डेली रूटीन को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। घरेलू मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें और आप आवेश में आकर कोई निर्णय न लें। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार मिल सकता है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

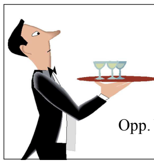
Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

LIVE IN LAP OF LUXURY
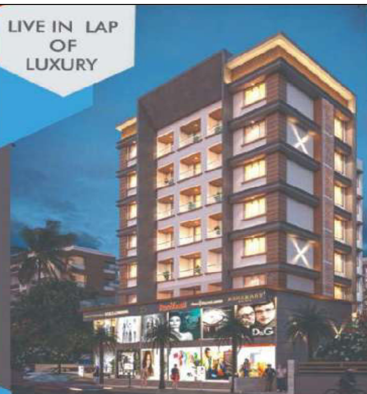
RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ली मुंबई के विधायकों और सांसदों की 'क्लास'

मुंबई (नि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण और मुंबई की भूमिगत मेट्रो लाइन-3 के अंतिम चरण (फेज 2बी) का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) को लाभ होगा। वहीं, आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने राजभवन में भाजपा नेताओं के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में मुंबई मनपा चुनावों की रणनीति तय होने के कारण इस दौरे का राजनीतिक महत्व बढ़ गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी बुधवार रात राजभवन में ठहरे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के मुंबई विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के साथ एक विशेष बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम, मंत्री आशीष शेलार, मंगलप्रभात लोढ़ा समेत मुंबई के सभी 15 विधायक और प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। सूत्रों की मानें तो आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर इस बैठक का विशेष महत्व है। क्योंकि पिछले 25 वर्षों से शिवसेना (ठाकरे) मुंबई महानगरपालिका पर शासन कर रही है। 2017 के चुनाव में भाजपा ने शिवसेना को कड़ी टक्कर दी थी और 82 सीटें जीती थीं, जबकि शिवसेना ने 84 सीटें जीती थीं। उस समय दोनों दलों के बीच समझौते के चलते शिवसेना का महापौर चुना गया था। इस साल भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के एक साथ होने से चुनाव कांटे के होने की संभावना है। अगर उद्धव ठाकरे की शिवसेना और अन्य दल एक साथ आते हैं, तो उसका मुकाबला करने के लिए क्या रणनीति अपनाई जाएगी, इस बैठक में इस पर चर्चा होने के कयास लगाए गए हैं। चूंकि यह बैठक आंतरिक थी, इसलिए भाजपा नेता इस बैठक को लेकर पर बात करने से बच रहे हैं।

शताब्दी अस्पताल के सफाईकर्मी ने लिया मरीज का ईसीजी

मानवाधिकार आयोग ने लगाया 12 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई (नि.स.)। मुंबई महानगरपालिका द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल में एक सफाईकर्मी द्वारा मरीज का ईसीजी लेने के मामले को गंभीरता से लेते हुए, राज्य मानवाधिकार आयोग ने मुंबई महानगरपालिका पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष अनंत बदर ने यह जुर्माना लगाते हुए स्पष्ट किया है कि महानगरपालिका को एक महीने के भीतर महाराष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण को यह जुर्माना अदा करना होगा, अगर एक महीने के भीतर यह राशि अदा नहीं की जाती है, तो इस पर आठ प्रतिशत ब्याज देना होगा।

आपको बता दें कि इस अस्पताल में ईसीजी तकनीशियन का पद एक साल से खाली है। इससे आम आदमी के मानवाधिकारों का हनन हुआ है। साथ ही, शताब्दी अस्पताल में आने वाले सैकड़ों मरीजों के मानवाधिकारों की रक्षा नहीं की गई है, ऐसा आयोग ने अपने फैसले में महानगरपालिका को बताया है। इसके अलावा, आयोग ने मुंबई महानगरपालिका को ईसीजी विभाग में तुरंत एक प्रशिक्षित तकनीशियन की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। शताब्दी अस्पताल में पिछले महीने 418 और साल भर में 5016 मरीजों ने ईसीजी करवाया। आयोग ने यह भी आरोप लगाया है कि इन सभी मरीजों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया। दरअसल सामाजिक कार्यकर्ता पल्लवी पाटिल ने आयोग में यह शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में गंभीर आरोप लगाया गया है कि शताब्दी अस्पताल में केवल महिला सफाई कर्मचारी ही ईसीजी कर रही हैं। जब आयोग ने इस पर स्पष्टीकरण मांगा, तो प्रशासन ने आयोग को बताया कि अस्पताल में वार्ड बॉय ईसीजी कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने यह भी दलील दी कि ईसीजी एक प्रशिक्षित तकनीशियन द्वारा किया जाना चाहिए। आयोग ने इस पर संज्ञान लेते हुए महानगर पालिका को कड़ा संकेत दिया है। अब महानगर पालिका को यह जुर्माना भरना होगा।

भारत के स्टार क्रिकेटर को धमकी, 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

मुंबई (नि.स.)। एशिया कप जीतने वाले भारत के स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड ने धमकी देते हुए उनसे 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। मुंबई पुलिस ने रिंकू को धमकी देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि रिंकू सिंह को पहले भी धमकी मिल चुकी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि रिंकू सिंह को यह धमकी किसी और की नहीं, बल्कि मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के गिरोह यानी डी-कंपनी की तरफ से आई है। फरवरी से अप्रैल 2025 के बीच रिंकू की प्रमोशनल टीम को तीन धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे। रिंकू सिंह को इस साल तीन बार धमकियां मिलीं।

धमकी भरे मैसेज रिंकू सिंह को नहीं, बल्कि उनकी प्रमोशनल टीम को भेजे गए थे। क्राइम ब्रांच ने बताया कि यह मामला किसी बड़े रैकेट से जुड़ा है। क्योंकि जीशान सिद्दीकी को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। रिंकू सिंह को धमकी देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने धमकी देने की बात कबूल कर ली है। इससे पहले, जीशान सिद्दीकी के पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उन्हें धमकी दी गई थी और 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में इंटरपोल की मदद से मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को त्रिनिदाद और टोबैगो से पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जीशान को ये धमकी भरे ईमेल 19 से 21 अप्रैल के बीच मिले थे। इनमें उन्हें यह भी चेतावनी दी गई थी कि अगर उन्होंने फिरौती नहीं दी, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

रिक्शा चालकों का कोंकण भवन तक मार्च आज

नवी मुंबई (नि.सं.)। रिक्शा चालक संघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आज 10 अक्टूबर की सुबह 11 बजे कोंकण भवन तक मार्च का आयोजन किया है. इस दौरान एक दिवसीय सांकेतिक उपोषण किया जाएगा, ऐसी जानकारी संघ के नंदू पाटिल ने दी है।

रिक्शा चालकों की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं- महाराष्ट्र सरकार द्वारा बाइक टैक्सियों को दी गई अनुमति तुरंत वापस ली जाए. मुक्त रिक्शा लाइसेंस का वितरण तुरंत बंद किया जाए. सरकार नियमानुसार सीएनजी बाटला निरीक्षण दर 700 से 800 रुपये निर्धारित करे. यातायात पुलिस और आरटीओ द्वारा रिक्शाओं पर लगाए गए ऑनलाइन जुर्माने को अभय योजना के माध्यम से माफ किया जाए. किसानों की ऋण माफी की तरह रिक्शा चालकों के रिक्शा ऋण माफ किए जाएं. मथाडी मंडलो की तरह रिक्शा चालकों के लिए आवास परियोजना योजना लागू की जाए. धर्मवीर आनंद दिघे साहेब रिक्शा चालक मंडल का सदस्यता शुल्क और वार्षिक शुल्क अन्य मंडलो के अनुसार रखा जाए. कल्याणकारी मंडल में जिलावार रिक्शा संघों के प्रतिनिधियों की नियुक्ति की जाए. नवी मुंबई और पनवेल आरटीओ को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाए।

फर्जी ईडी अधिकारियों से निपटने हेतु अब ईडी नोटिस पर क्यूआर कोड

मुंबई (नि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी अधिकारियों के नाम पर फर्जीवाड़ा करके लोगों को आर्थिक रूप से ठगने से रोकने के लिए, ईडी द्वारा जारी किए जाने वाले सिस्टम-जनरेटेड नोटिस पर अब क्यूआर कोड होंगे। दरअसल पिछले कुछ वर्षों में, देश भर में ऐसे फर्जी ईडी अधिकारियों की बाढ़ आ गई है। ऐसे फर्जी लोगों ने कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। हाउस अरेस्ट की दर में भारी वृद्धि हुई है। इसके बाद, खुद प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस संबंध में अपील करनी पड़ी।

प्रवर्तन निदेशालय ने अपने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ईडी के सिस्टम-जनरेटेड नोटिस केवल अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में ही जारी करें। यह आदेश दिया गया है कि इस सिस्टम-जनरेटेड नोटिस पर उचित हस्ताक्षर और मुहर लगे हों, और संपर्क के लिए अधिकारी का ईमेल आईडी और फोन नंबर भी इस पर होना चाहिए। अब, पीएमएलए अधिनियम के साथ-साथ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत जारी किए जाने वाले ईडी नोटिस पर क्यूआर कोड होंगे। ईडी ने इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। इसमें कहा गया है कि, जिस किसी को भी ईडी का नोटिस मिला है, वह नोटिस पर दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके यह सत्यापित कर सकता है कि नोटिस असली है या नकली। इस क्यूआर कोड को स्कैन करने पर संबंधित व्यक्ति ईडी पोर्टल पर पहुँच जाएगा। वहाँ, नोटिस में दी गई जानकारी देखी जा सकेगी। इसके लिए, नोटिस पर दिए गए पासवर्ड का इस्तेमाल करके इन जानकारियों को देखा जा सकता है।

दिव्य-भव्य बाणगंगा दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर

मुंबई (नि.स.)। हर साल त्रिपुरा पूर्णिमा पर मुंबई के मालाबार क्षेत्र में बाणगंगा झील परिसर में दीपोत्सव मनाया जाता है। कार्तिक माह में पड़ने वाले इस दीपोत्सव की लागत 40 लाख 40 हजार रुपये तक होने वाली है। इसके लिए महानगरपालिका द्वारा दो ठेकेदार भी नियुक्त किए गए हैं। मुंबई के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों में से एक बाणगंगा झील हिंदुओं का एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। राज्य सरकार ने इस झील को महाराष्ट्र प्राचीन स्मारक, पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1960 के तहत संरक्षित स्मारक घोषित किया है। इस झील के आसपास मंदिर, मकबरे, धर्मशालाएँ और मठ हैं और यह स्थान राष्ट्रीय महत्व का एक सांस्कृतिक केंद्र है।

वेंकटेश बालाजी मंदिर, सिद्धेश्वर शंकर मंदिर, राम मंदिर और वालुकेश्वर मंदिर झील से सटे प्रसिद्ध मंदिर हैं। चूँकि बाणगंगा झील का प्राचीन काल से ही धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है, इसलिए यहाँ धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम मनाए जाते हैं। मुंबई आने वाले कई पर्यटक नियमित रूप से इस झील को देखने आते हैं। इस ऐतिहासिक झील क्षेत्र में हर साल त्रिपुरा पूर्णिमा पर एक बड़ा दीपोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी यहाँ कार्तिक पूर्णिमा पर दीपोत्सव मनाया जाएगा। इसमें विद्युत प्रकाश व्यवस्था, पुष्प सज्जा, फोटोग्राफी, छायांकन और वीडियोग्राफी, क्षेत्र में तीन स्क्रीन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा मंच मंडप और कुर्सियों की भी व्यवस्था की जाएगी। आपको बता दें कि बाणगंगा झील में हजारों देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। इस झील के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राचीन महत्व को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने 15 नवंबर, 2022 को बाणगंगा झील (मालाबार हिल, मुंबई) क्षेत्र को बी श्रेणी पर्यटन स्थल घोषित करने की स्वीकृति दी।

स्वास्थ्य विभाग 1700 एम्बुलेंस खरीदेगा

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ एमएसआरडीसी, एनएचएआई जैसी कई संस्थाओं द्वारा एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में, 108 एम्बुलेंस के साथ-साथ 102, 104 और 112 नंबर की एम्बुलेंस भी स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत हैं। स्वास्थ्य विभाग के पास 108 नंबर की 937 एम्बुलेंस और 102 नंबर की 3500 एम्बुलेंस हैं और नंदुरबार जैसे स्थानों में कुछ नाव एम्बुलेंस भी चल रही हैं। बाइक एम्बुलेंस की अवधारणा को भी क्रियान्वित किया जा रहा है और इसे गति देने का निर्णय लिया गया है।

अब स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एम्बुलेंस सेवा को गति देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आगामी समय में 1700 नई एम्बुलेंस खरीदने का निर्णय लिया है। इस पर लगभग 872 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसमें से 49 प्रतिशत स्वास्थ्य विभाग और शेष 51 प्रतिशत वह संस्था खर्च करेगी जिसके माध्यम से एम्बुलेंस सेवा का संचालन किया जाएगा। नई खरीदी जाने वाली 1700 एम्बुलेंस में से कुछ नवजात शिशुओं के लिए होंगी, जबकि नंदुरबार जैसे क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए बोट एम्बुलेंस खरीदी जाएंगी। राज्य की एम्बुलेंस सेवा के लिए जल्द ही 1528 नई अत्याधुनिक 108 एम्बुलेंस खरीदी जाएंगी, जिनमें से 500 नवंबर और दिसंबर में खरीदी जाएंगी।

नई अत्याधुनिक 108 एम्बुलेंस के साथ, 102, 104 और 112 नंबर की एम्बुलेंस वर्तमान में कार्यरत हैं। इन एम्बुलेंस को एमएसआरडीसी और एनएचएआई जैसी संस्थाओं द्वारा राजमार्गों और टोल प्लाजा पर तैनात किया गया है। यदि इन सभी एम्बुलेंस का एक संयुक्त नेटवर्क बनाया जाता है, तो मरीजों को गोल्डन ऑवर के दौरान तेजी से चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। स्वास्थ्य विभाग की 108 एम्बुलेंस सेवा पर 'महाराष्ट्र सरकार' का नाम स्पष्ट रूप से लिखा होगा।

मुंबई में तेज रफ्तार का कहर, वेस्टर्न एक्सप्रेस वे पर पोर्शे कार दुर्घटनाग्रस्त

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर बुधवार देर रात एक पोर्शे कार भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। बताया गया है कि चालक द्वारा तेज रफ्तार पोर्शे कार पर से नियंत्रण खोने के चलते कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे कार को भारी नुकसान पहुंचा और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसा गुंदवली मेट्रो स्टेशन के पास देर रात करीब 2.30 बजे हुआ। हादसे में शामिल तीनों कारें बांद्रा पश्चिम की ओर जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा कार रेसिंग के कारण हुआ। हालांकि, पुलिस के मुताबिक, कार की कोई रेसिंग नहीं थी। बहरहाल इस मामले में जोगेश्वरी पुलिस स्टेशन में कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस तेज रफ्तार के कारण हुई इस दुर्घटना की आगे की जांच कर रही है।

PUBLIC NOTICE

I; MOTIRAMANI KANISHKA NITIN (old name). Daughter of DR. NITIN. MOTIRAMANI. aged 18 yrs Staying at BK. NO 1080/13, 14, 15. O.T. Section Dharamdas marg; Ulhasnagar DIST: THANE; Maharashtra. 421003 have corrected my name KANISHKA NITIN. MOTIRAMANI for all Purposes as per affidavit Sworn before notary by Adv. Sunil. Mulchandani; Ulhasnagar dated 09/10/2025

एटीएम में पैसा निकालने गयी दो महिलाओं से ठगी

नवी मुंबई (नि.सं.)। शहर में हाथ की सफाई कर मदद के बहाने एटीएम धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं, जिनमें अज्ञात व्यक्तियों ने दो महिलाओं को निशाना बनाया और उनके बैंक खातों से हजारों रुपये निकाल लिए. दोनों मामलों में कंलबोली और खांदेश्वर पुलिस थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है. पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे एटीएम का उपयोग करते समय किसी भी अजनबी की मदद लेने से बचें और अपने पिन को सुरक्षित रखें. किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

कंलबोली पुलिस थाना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति ने शिकायतकर्ता महिला का कंलबोली डिमार्ट एटीएम से एटीएम डेबिट कार्ड हाथ की सफाई कर चुरा लिए और उसका इस्तेमाल करके उनके खाते से 25 हजार की नकदी निकाल ली. खांदेश्वर पुलिस थाना क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति ने एटीएम में पैसे निकालने आई महिला की मदद करने के बहाने हाथ की सफाई से एटीएम कार्ड बदल दिया और उनके खाते से 26 हजार 500 रुपये निकाल लिए. यह दोनों घटना बुधवार को घटी है।

नेचुरोपैथी डॉ. शैलेश म्हात्रे 'आयुष पुरस्कार' से सम्मानित

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी तालुका के खारबांव के नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. शैलेश म्हात्रे को आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन और विस्तार केंद्र राजकोट टीडीसी पीपीडीसी आगरा द्वारा 'आयुष पुरस्कार 2025' से सम्मानित किया गया है। नवी मुंबई में आयोजित एक समारोह में फिल्म अभिनेत्री श्रेया बुगडे एवं विधायक श्वेताताई महाले के हाथों डॉ. म्हात्रे को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर, यूनाइटेड नेशन चाइल्ड वुमेन की सलाहकार और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. मंगला कोहली, डॉ. प्रवीण जोशी डॉ. प्रणव पंडया सहित देश भर से सैकड़ों आयुष चिकित्सक और थेरेपिस्ट बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यह पुरस्कार आयुर्वेद, योग, नेचुरोपैथी, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर जैसे विभिन्न आयुष क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों और थेरेपिस्टों को दिया जाता है। डॉ. शैलेश म्हात्रे ने अपने 'श्री मेख आयुर्धाम' के माध्यम से आयुर्वेदिक और प्राकृतिक तरीकों से सैकड़ों मरीजों की बीमारियों को ठीक किया है और उनके इस कार्य को आयुष इंटरनेशनल मेडिकल एसोसिएशन ने संज्ञान में लेते हुए उन्हें आयुष पुरस्कार से सम्मानित किया है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 21.78 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

मुंबई (नि.स.)। देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक मुंबई एयरपोर्ट पर दुनिया भर से यात्री आते हैं। इसलिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। इसके अलावा, यहां अक्सर सोने या ड्रग्स जैसी वस्तुओं की तस्करी होती है। अब, यह खुलासा हुआ है कि खजूर के पैकेट से कोकीन की तस्करी की जा रही है। दरअसल एयरपोर्ट के सुरक्षा गार्डों ने एक खजूर के पैकेट से 2 किलो 178 ग्राम कोकीन जब्त किया है और इसकी मौजूदा बाजार कीमत 21.78 करोड़ रुपये है। बताया गया है कि तस्करों द्वारा खजूर के पैकेट से खजूर निकालकर, खजूर से बीज निकालकर और उनमें कोकीन भरकर तस्करी करने की कोशिश की थी। हालांकि, मुंबई एयरपोर्ट पर इस साजिश का पर्दाफाश हो गया। बताया गया है कि सिएरा लियोन से आए यात्री के साथ कोकीन की डिलीवरी लेने आए एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस भारत में इस तस्करी के कनेक्शन की भी जांच कर रही है।

इमारत से ईंट गिरने से युवती की मौत

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के जोगेश्वरी पूर्व के मजासवाड़ी इलाके में सुबह के समय काम पर जा रही एक 22 साल की युवती संस्कृति की एक ऊँची इमारत से सीमेंट का ब्लॉक उसके सिर पर गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद, स्थानीय लोग युवती को रिक्शे से अस्पताल ले जाने के लिए दौड़े, लेकिन ऊँचाई से ईंट गिरने के कारण अत्यधिक रक्तस्राव होने से युवती की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवती के पिता अनिल उमेश अमीन ने इस संबंध में मेघवाड़ी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई है। मेघवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है। मृतक युवती के पिता द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार संस्कृति ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स पूरा किया था और पिछले 4-5 दिनों से आरबीएल बैंक, गोरेगांव (पश्चिम) मुंबई में काम कर रही थी।

तलाक की दर कम करने हेतु मुंबई मनपा की पहल 'विवाह-पूर्व परामर्श केंद्र' किया शुरू

मुंबई (नि.स.)। हाल ही में वैवाहिक जीवन के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करने और जोड़ों के बीच तलाक की दर को कम करने के उद्देश्य से एक विवाह-पूर्व परामर्श केंद्र शुरू किया गया है। मुंबई महानगरपालिका और भारतीय स्त्री शक्ति ने एक संस्था के माध्यम से विले पार्ले में 'तेरे मेरे सपने' नामक एक 'विवाह-पूर्व परामर्श केंद्र' शुरू किया है। इस परामर्श केंद्र में, जोड़ों को विवाह-पूर्व संवाद कौशल, तनाव प्रबंधन और रिश्तों में सामंजस्य जैसे मुद्दों पर मार्गदर्शन मिलेगा। विले पार्ले स्थित बाबासाहेब गावड़े अस्पताल भवन में मुंबई मनपा के शहरी आजीविका केंद्र के अंतर्गत इस विवाह-पूर्व संवाद केंद्र का उद्घाटन किया गया है। इस अवसर पर ' 'विवाह-पूर्व परामर्श-आज की आवश्यकता' विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की वक्ता, पारिवारिक न्यायालय की सेवानिवृत्त मुख्य सलाहकार, डॉ. सुवर्णा भुजबल ने विवाह-पूर्व परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। स्वस्थ संवाद, भावनात्मक संतुलन और आपसी सम्मान ही वैवाहिक जीवन को बनाए रखने वाले वास्तविक आधार स्तंभ हैं। इसके लिए उन्होंने विवाह पूर्व परामर्श को अत्यंत आवश्यक बताया। संगोष्ठी में पारिवारिक न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश डॉ. सुनंदा जोशी भी उपस्थित थीं। डॉ. सुनंदा जोशी ने संगोष्ठी के दौरान अपने विचार व्यक्त किए कि प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे के प्रति सम्मान एक स्वस्थ रिश्ते के मूल सिद्धांत हैं। इस अवसर पर भारतीय स्त्री शक्ति संस्था की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वर्षा पवार-तावड़े, संस्था की मुंबई अध्यक्ष डॉ. प्राची मोघे और स्त्री शक्ति संस्था की मनीषा चव्हाण भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन प्रणीति मशानकर ने किया।

Form ND

[See rule 92(3)]

Form of Notice to be published in Newspaper by the successor to the Permit Holder.

It is hereby informed for the knowledge of public that, KHAJA HUSSAIN MOHD SHAIKH owner of the motor vehicle No. MH-05DQ-0158 covered by permit No.5500/AMB has expired on 13/10/2023.

I, Smt. FARJANA KHAJA SHAIKH, residing at, Gadge Nagar, House No. 1135, Saibaba Chowk, Ambernath west, Dist Thane 421305 being the successor to the abovementioned to confer intend to use the permit and accordingly, I have applied to the appropriate authority / Dy. Regional Transport Office, Kalyan for the transfer of permit in my name.

Any person having any claim or objection in this regard should within 15 days from the publication of this Notice, being such fact to the notice of Dy. Regional Transport Office, Kalyan.

Name & Address of Succession-
Smt. FARJANA KHAJA SHAIKH,
Add-Gadge Nagar, House No. 1135,
Saibaba Chowk, Ambernath w., Dist Thane 421305.

Form ND

[See rule 92(3)]

Form of Notice to be published in Newspaper by the successor to owner of vehicle.

It is hereby informed for the knowledge of public that Shri VISHAL SHAMKANT PATIL owner of the motor vehicle No. MH-04 LA-8406 has expired on 22/08/2025

I, Smt. RUPALI VISHAL PATIL, residing at, C1/1705 Unnati Woods Buldg., Anand Nagar, Kavesar, Kasarvadavali, G.B. Road, Thane West, Dist Thane 400615 being the successor to the abovementioned to confer intend to use the vehicle and accordingly, I have applied to the appropriate authority / Regional Transport Office, Thane for the transfer of vehicle in my name.

Any person having any claim or objection in this regard should within 15 days from the publication of this Notice, being such fact to the notice of Regional Transport Office, Thane.

Name & Address of Succession-
Smt. RUPALI VISHAL PATIL,
ADD- C1/1705 Unnati Woods Buldg., Anand Nagar, Kavesar,
Kasarvadavali, G.B. Road, Thane W., Dist Thane 400615.